हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

06 नर्मदा के घाटों पर रेत माफिया का कब्जा : बिना अनुमति...

07 1363 युवाओं ने दी एमपीपीएससी की परीक्षा...

खबर संक्षेप

बुधनी में किसान सत्याग्रह आज

सीहोर। सीहोर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आज मध्य प्रदेश का अन्नदाता अपनी ही माटी पर उपेक्षित और अपमानित महसूस कर रहा है। भाजपा सरकार के राजतंत्र ने किसान के स्वाभिमान को चुनौती दी है। 28 अप्रैल 2026, दिन मंगलवार, समय 11:00 बजे, बुधनी के श्री महाराणा प्रताप जी चौराहा, जिला सीहोर को बुधनी की पावन धरा पर होने वाला किसान सत्याग्रह उस अहंकार के अंत की उद्घोषणा है, जिसने पिछले एक साल से किसानों को बेहाल कर रखा है।

युवक ने फांसी लगाई, मौत कारण जानने में जुटी पुलिस

सीहोर। शनिवार को बिलकिसगंज में अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने आत्महत्या कर ली। अर्जुन मालवीय फ्रीगंज बिलकिसगंज ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार करीब 4 बजे सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रारंभ में जांच में सामने आया कि अर्जुन ने घर के अंदर ही फांसी लगाई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मालूम हो पाएगा कि युवक ने आत्महत्या क्यों की या यह एक मर्डर है। युवक मजदूरी करता था। उसके परिवार में पत्नी सहित एक बच्चा ओर एक बच्ची है।

बजरंग दल व सकल हिंदू संगठन ने फैक्ट्री के बाहर किया प्रदर्शन, फैक्ट्री को बंद करने की प्रशासन से मांग कर सौंपा ज्ञापन

अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री में भैंस की जगह गाय का चमड़ा खपाकर बनाया जाता है प्रोटीन पाउडर !

सूचना मिलते ही सीहोर के कार्यकर्ता अलर्ट हुए और पीछा कर ट्रक को क्रिसेंट चौराहे पर रोक लिया। जांच में कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि ट्रक में गाय का चमड़ा भी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर/इछावर

जिला मुख्यालय के नजदीक काकरखेड़ा स्थित अल्फा प्रोटीन चमड़ा फैक्ट्री के बाहर सोमवार को बजरंग दल ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कोलकाता से आए एक ट्रक को पकड़ा जिसमें गाय और भैंस का चमड़ा लदा था। चालक ने कबूल किया कि वह पहले भी कई बार फैक्ट्री में माल सप्लाई कर चुका है।

कैसे पकड़ा गया ट्रक

तूमड़ा रोड पर राजस्थान पासिंग का एक ट्रक खड़ा था। बदबू आने पर वहां से गुजर रहे बजरंग दल कार्यकर्ता ने ड्राइवर से पूछताछ की। ड्राइवर ने बताया कि ट्रक अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री जा रहा है और इसमें भैंस का चमड़ा है। यह कहकर वह ट्रक लेकर निकल गया। कार्यकर्ता ने तुरंत जिला मुख्यालय स्थित बजरंग दल-विहिप पदाधिकारियों को सूचना दी।

क्रिसेंट चौराहे पर रोका, गाय का चमड़ा होने का दावा

सूचना मिलते ही सीहोर के कार्यकर्ता अलर्ट हुए और पीछा कर ट्रक को क्रिसेंट चौराहे पर रोक लिया। जांच में कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि ट्रक में गाय का चमड़ा भी है। तुरंत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई।

घटना के बाद कार्यकर्ताओं ने फैक्ट्री गेट पर धरना शुरू कर दिया

चालक का कबूलनामा: पहले भी हो चुकी है सप्लाई

पूछताछ में ट्रक चालक ने बताया कि वह कोलकाता से गाय और भैंस का चमड़ा भरकर लाया है। उसने स्वीकार किया कि वह पहले भी कई बार इस अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री में माल सप्लाई कर चुका है, जिससे लंबे समय से फैक्ट्री में गाय का चमड़ा खपाए जाने की आशंका गहरा गई है।

प्रशासन-पुलिस मौके पर, जांच शुरू

मामले की गंभीरता को देखते हुए इछावर पुलिस और तहसीलदार गजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कागजों की पड़ताल शुरू कर दी है। तहसीलदार गजेंद्र सिंह ने बताया कि वेटरनरी टीम से चमड़े के सैंपल की जांच कराई जाएगी। प्रशासन कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन संगठन के सदस्य जांच रिपोर्ट आने तक हटने को तैयार नहीं हैं। सैंपल रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा कि चमड़ा गाय का है या भैंस का।

बजरंग दल की तीन बड़ी मांगें

- फैक्ट्री के अंदर रखे स्टॉक और ट्रक के माल का तुरंत सैंपल लिया जाए।
- फैक्ट्री मैनेजर और मालिक पर एफआईआर दर्ज हो।
- जांच पूरी होने तक फैक्ट्री को सील किया जाए।

फैक्ट्री में चमड़े से बनाया जाता है प्रोटीन पाउडर : जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में प्रोटीन पाउडर बनाया जाता है। जिसका निर्माण लेदर से किया जाता है। इसी के चलते बड़ी मात्रा में यहां चमड़ा कच्चे उत्पाद के रूप में मंगाया जाता है।

सकल हिन्दू संगठनों ने तहसीलदार को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन : उक्त घटना और देश में बढ़ती गौवंश हत्या के विरोध में सोमवार को बजरंग दल एवं सकल हिन्दू संगठनों के बड़ी संख्या में लोग नगर के सब्जी बाजार स्थित आजाद चौक में एकत्रित हुए। इस दौरान वह रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने तहसील को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे। जिसमें उन्होंने गौवंश हत्या पर सख्त कानून बनाने की मांग की।

फैक्ट्री मैनेजर का इनकार

फैक्ट्री मैनेजर आनंद ने आरोपों को नकारते हुए कहा, "हम सिर्फ भैंस का चमड़ा मंगवाते हैं। यह माल हमारा नहीं है।"

भाई ही निकला भाई का कातिल ट्रैक्टर में लादकर फेंकी लाश

सीहोर। एक दिन पहले इछावर थाना क्षेत्र में एक लाश मिली थी, जिसकी पहचान सतपिपलिया गांव निवासी अंकुश परमार के रूप में हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की पड़ताल शुरू की। पुलिस पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, बड़े भाई ने ही अपने छोटे भाई की हत्या कर ट्रेक्टर ट्राली से लाश खेत पर फेंक दी थी। इस मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे में ही खुलासा कर दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सतपिपलिया निवासी अंकुश परमार का शव गांव के ही एक खेत की मेड़ पर लहूलुहान हालत में पड़ा है। मृतक के शरीर पर धारदार हथियार के गहरे निशान थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय पूछताछ के आधार पर पुलिस का शक मृतक के सगे बड़े भाई देवेंद्र परमार पर गहराया।

शराब के नशे में हुआ विवाद : पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपी देवेंद्र टूट गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि 25 अप्रैल की रात करीब 10.30 बजे उसका छोटा भाई अंकुश शराब के नशे में घर आया था। वह माता-पिता और देवेंद्र को गंदी-गंदी गालियां देने लगा। बात इतनी बड़ी कि गुस्से में आकर देवेंद्र ने घर में रखी लंबी दरांती उठाई और छोटे भाई पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

साक्ष्य मिटाने की रची साजिश

हत्या के बाद आरोपी ने साक्ष्य मिटाने की भी पूरी कोशिश की। उसने छोटे भाई के शव को अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादा और गांव के बाहर एक कच्चे रास्ते पर ले जाकर फेंक दिया। अपराध को छिपाने के लिए उसने अपने खून से सने कपड़े जला दिए और हत्या में इस्तेमाल हथियार को खेत में दबा दिया।

पुलिस की मुस्तैदी से सुलझी गुत्थी

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दरांती और शव ढोने में इस्तेमाल ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है। एसडीओपी भेरूंदा रोशन कुमार जैन और उनकी टीम ने महज एक दिन के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया। इस खुलासे में थाना प्रभारी घनश्याम दांगी, एफएसएल अधिकारी डॉ. कुलदीप मालवीय और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

करोड़ों के सामुदायिक शौचालय बंद: पानी की टंकी, सीट, नल, वॉश बेसिन गायब

सीहोर। जिले के गांवों में करोड़ों रुपये खर्च कर सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाए गए हैं, लेकिन ये सार्वजनिक शौचालय ताले में कैद हैं। हाट बाजारों में आने वाले व्यापारी, किसान और मुसाफिर इन्हें देख तो सकते हैं, पर इनका उपयोग नहीं कर पाते। ऐसे में ये सार्वजनिक शौचालय केवल शोपीस बनकर रह गए हैं।

शासन के करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद, इन परिसरों में रेत, गिट्टी, लकड़ी, कंडे और कृषि उपकरण रखे हुए हैं। कई गांवों में लोगों ने इनमें मवेशी बांध रखे हैं, तो कहीं निर्माण सामग्री रखी है। इस कारण ये अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। जिलेभर में कुल 380 सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाए गए हैं, जिनके लिए प्रत्येक परिसर हेतु 3 लाख 44 हजार रुपये की राशि पंचायतों को आवंटित की गई थी। सरपंच-सचिवों की लापरवाही के कारण ये सार्वजनिक शौचालय शोपीस बनकर रह गए हैं। ग्राम पंचायत मुस्करा के सामुदायिक स्वच्छता परिसर में ताले लगे हैं और ग्रामीणों ने यहां गोबर के कंडे रख रखे हैं। इसका निर्माण तीन साल पहले हुआ था और तब से ही सरपंच व सचिव ने इसे बंद कर रखा है। सतपिपलिया में भी परिसर में ताले लगे मिले। ग्राम चांदबढ़ के स्वच्छता परिसर में गंदगी पसरी हुई थी और शौचालयों में भवन निर्माण सामग्री जैसे सीमेंट की बोरियां और सरिये रखे हुए थे। ग्राम खंडवा में शौचालय में ताले लगे थे और सीट व पानी की टंकी गायब थी। ग्राम सरखेड़ा का परिसर भी ताले में कैद मिला।

इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने बताया कि पंचायतों में सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की जांच के लिए एक टीम गठित की जाएगी। साथ ही, कोऑर्डिनेटरों को भी आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष, खेत पर गए युवक को पीटा, बचाने आए परिवार पर भी हमला

सीहोर। इछावर थाना अंतर्गत ग्राम कालापीपल जागीर में बीती शाम पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने एक ही परिवार के कई सदस्यों पर चाकू और लाठियों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में परिवार के कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पीड़ित पक्ष द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार घटना 26 अप्रैल की शाम करीब 4 बजे की है। अनूप वर्मा नामक युवक अपने खेत पर मोटर चालू करने गया था, तभी गांव के ही मनोज और अनार सिंह ने उसे घेर लिया और पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने अनूप के साथ बेरहमी से मारपीट की।

बीच-बचाव करने आए परिजनों पर भी हमला

अनूप किसी तरह जान बचाकर बदहवास हालत में घर पहुंचा और परिजनों को आपबीती सुनाई। जब नेपाल, कैलाश और चंदर सहित परिवार के अन्य सदस्य बीचञबचाव और बात करने बाहर आए तो आरोपियों ने पूर्व नियोजित तरीके से उन पर धावा बोल दिया। आरोपी मनोज, दुर्गाप्रसाद, अनार सिंह और सीता बाई ने लाठियों से परिवार पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं घर के बाहर खड़ी बाइक में भी लाठियां मारकर तोड़फ़ोड़ की। हमले में घायल हुए लोगों के शरीर पर चाकू और लाठियों के गंभीर निशान आए हैं।

डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल आरोपी फरार

चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की मदद से सभी घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सीहोर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इधर इछावर थाना पुलिस ने पीड़ित नेपाल की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

गौ माता की सुरक्षा-सम्मान के लिए रैली निकाली, ज्ञापन दिया

सैकड़ों धर्म प्रेमी एक स्वर में बोले: गौ माता को राष्ट्रमाता का दिया जाए दर्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

पूरे देश में गौ माता की हो रही दुर्दशा को लेकर चिन्तित संत समाज के नेतृत्व में आज सैकड़ो धर्मप्रेमीजनों ने रैली निकालकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर को सौंपा।

सभी ने एक स्वर से मांग की है कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए और उनकी सुरक्षा-सम्मान के लिए शीघ्र ही समुचित कदम उठाए जाएं। पूरे देष में गौ वध को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। पिछले कई दिनों से शहर में गौ सेवा सम्मान का अभियान चलाया जा रहा है, शहर के सभी प्रसिद्ध संतजनों द्वारा इस अभियान को पूरी गति प्रदान की गई और राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे महाअभियान में हजारों लोगों को रजिस्ट्रेशन करवाकर जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

आज इसी कड़ी में शहर के गीता मानस भवन में सैकड़ो की तादाद में धर्मप्रेमीजन इकट्ठा हुए और गौ माता की सुरक्षा-सम्मान के लिए नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। रैली में प्रमुख रूप से श्रीश्री 1008 संत श्री उद्धवदास जी महाराज त्यागीबाबा, श्रीश्री 108 महंत श्री हरिरामदास जी हंसदास मठ मंदिर, सीताराम आश्रय के महंत श्री नरेश तिवारी, अयोध्या के संत श्री विशम्भरदयाल जी, संत उत्तमदास जी सहित धार्मिक संगठनों से जुडे. अनेक जन शामिल हुए।

रैली में युवाजन एवं महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई। कलेक्ट्रेट में संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सभी ने एक स्वर में गौ माता की सुरक्षा एवं सम्मान बहाल करने की मांग को लेकर नारेबाजी की और आग्रह किया कि शीघ्र ही गौ माता की सुरक्षा के लिए केन्द्र और राज्य सरकार सभी आवष्यक कदम उठाए। संतजनों ने बताया कि गौ माता की सुरक्षा-सम्मान के लिए राष्ट्रव्यापी आन्दोलन शुरू किया जा चुका है जिसकी पहली कड़ी में आज सभी महत्वपूर्ण पद पर आसीन लोगों के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया है। शीघ्र ही आन्दोलन की अगली कडी में प्रदेश स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के आयोजन प्रस्तावित किए जा चुके है।

सारा संत समाज एकस्वर में गौ माता की सुरक्षा-सम्मान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करने का संकल्प ले चुका है।

आसमान से बरस रही आग: गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड, सड़कों का डामर पिघला, अब 12.30 बजे बंद होंगे स्कूल

भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर ने स्कूलों का बदला समय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

राजस्थान से आ रही भीषण गर्म हवाओं ने जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। अप्रैल माह में ही गर्मी ने अपने रौद्र रूप से पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आलम यह है कि सोमवार को पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे सडक़ों का डामर तक पिघलने लगा है। बच्चों के स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरे को देखते हुए कलेक्टर ने स्कूलों के समय में कटौती के सख्त आदेश जारी किए हैं।

बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने छात्र-छात्राओं के हित में बड़ा निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय, केंद्रीय विद्यालय और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों का समय अब सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक ही रहेगा। यह आदेश प्ले स्कूल से लेकर कक्षा 12वीं तक की सभी कक्षाओं पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। छोटे बच्चों को राहत देते हुए आंगनबाडिय़ों का समय भी सुबह 8.30 से 11.30 बजे तक सीमित कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था फिलहाल 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगी। हालांकि पूर्व से निर्धारित परीक्षाएं और मूल्यांकन कार्य अपने तय समय पर ही संचालित होंगे।

लॉकडाउन जैसे हालात, सडक़ों पर सन्नाटा : जिले में भीषण गर्मी के कारण दोपहर के समय सडक़ों पर सन्नाटा पसर जाता है। लोग केवल बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं, वह भी खुद को सूती कपड़ों से पूरी तरह ढंककर। मौसम विभाग के अनुसार 29 अप्रैल तक राहत की कोई उम्मीद नहीं है और पारा 43.44 डिग्री के आसपास ही बना रहेगा। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2024 में तापमान 44.7 डिग्री पहुंचा था, लेकिन अप्रैल में ऐसी गर्मी ने सभी को हैरान कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बढ़ते तापमान को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। बाहर निकलते समय सिर और शरीर को सूती कपड़े से ढंकें। ठंडे पेयजल और पंखों की व्यवस्था रखें। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलें।

नियमों का कड़ाई से पालन अनिवार्य

कलेक्टर ने सभी शिक्षण संस्थाओं के संचालकों को निर्देशित किया है कि वे आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। दोपहर 12.30 बजे के बाद किसी भी स्कूल में नियमित कक्षाएं संचालित पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

आदिगुरु शंकराचार्य की जयंती मनाई

सीहोर। मप्र जन अभियान परिषद, जिला सीहोर के तत्वावधान में आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन शास. आवासीय खेलकद संस्थान, सीहोर में सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पं. राजेश शर्मा (इंजीनियर गुरू), राष्ट्रीय कथावाचक, वरूण आचार्य, संभाग समन्वयक, म.प्र. जन अभियान परिषद, संभाग भोपाल, पारूल उपाध्याय, जिला समन्वयक, प्रदीपसिंह सेंगर, बीलू भिलवारे, इंदरसिंह निकुम द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। पं. राजेश शर्मा ने आदि गुरु के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी ने बहुत ही अल्प आयु में अपने आध्यात्मिक ज्ञान के प्रकाश से न केवल सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया, बल्कि पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने का अमृतमयी कार्य भी किया।

ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया

नर्मदा के घाटों पर रेत माफिया का कब्जा : बिना अनुमति जारी है धड़ल्ले से खनन, प्रशासन मौन

सरकारी खदान नहीं, फिर भी सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली सक्रिय, श्रद्धालुओं की जान जोखिम में, रात में मशीनों से उत्खनन-दिन में 'खानापूर्ति' कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

भैरूंदा तहसील क्षेत्र में नर्मदा के पवित्र स्नान घाट इन दिनों अवैध रेत खनन का केंद्र बनते जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जहां एक भी अधिकृत खदान स्वीकृत नहीं है, वहां सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर खुलेआम रेत का परिवहन करते नजर आ रहे हैं। बिना नंबर प्लेट के दौड़ते वाहनों और रात के अंधेरे में चल रहे मशीनों के खेल ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस अवैध कारोबार से जहां शासन को लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

घाटों पर श्रद्धा और खनन का टकराव

नर्मदा के नीलकंठ, सिलकंठ, सातदेव, चोरसाखेड़ी और छीपानेर जैसे प्रमुख घाटों पर सुबह-शाम श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। लेकिन अब इन घाटों पर आस्था से ज्यादा रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की कतारें नजर आ रही हैं। स्नान और पूजा के लिए पहुंचे लोगों के बीच से गुजरते भारी वाहन कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी से हालात लगातार खतरनाक होते जा रहे हैं।

भैरुंदा। बिना नंबर के वाहनों को हो रहा उपयोग

दादाजी आश्रम घाट पर हालात बदतर

छीपानेर स्थित दादाजी धूनीवाले आश्रम के स्नान घाट पर स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां सुबह होते ही रेत के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का जमावड़ा लग जाता है। श्रद्धालुओं, खासकर महिलाओं को स्नान और कपड़े बदलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सीधे नदी के भीतर जाकर नावों के जरिए रेत भरते हैं, जिससे हादसे की आशंका लगातार बनी रहती है। दादाजी आश्रम का ट्रस्ट और सरपंच सहित ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन महीनों बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

भैरुंदा। बिना नंबर के वाहनों को हो रहा उपयोग

रात में 'माफिया राज', दिन में दिखावा

सूत्रों के अनुसार असली खेल रात के अंधेरे में होता है। शाम ढलते ही पोकलेन, जेसीबी और अन्य मशीनें नदी में उतार दी जाती हैं और पूरी रात अवैध उत्खनन चलता है। सुबह होते ही मशीनों को हटा दिया जाता है, जिससे कार्रवाई के दौरान कुछ नहीं मिलता। दिन में कभी-कभार की जाने वाली कार्रवाई को महज औपचारिकता बताया जा रहा है।

रेकी सिस्टम से बच निकलते हैं खनन माफिया

रेत माफियाओं ने प्रशासन की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए मजबूत नेटवर्क तैयार कर रखा है। प्रमुख चौराहों पर उनके लोग तैनात रहते हैं, जो अधिकारियों की हलचल की सूचना तुरंत पहुंचाते हैं। जैसे ही दबिश की भनक लगती है, वाहन और मशीनें मौके से गायब कर दी जाती हैं। यही वजह है कि बड़े दावे के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदल रही।

आरोप-प्रत्यारोपः जिम्मेदारी से बचता तंत्र

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि बिना नंबर प्लेट के सैकड़ों वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं, फिर भी कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। वहीं कुछ लोगों का यह भी आरोप है कि इस पूरे खेल में मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि समय-समय पर कार्रवाई की जा रही है और अवैध खनन पर नियंत्रण के प्रयास जारी हैं।

वैधानिक कार्रवाई की जाएगी

स्नान घाट पर रेत उत्खनन-परिवहन का मामला संज्ञान में है। मौके पर निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा और निर्देशानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आरती सोलंकी, नायब तहसीलदार, गोपालपुर, भैरुंदा

दिल्ली तक पहुंची बस स्टैंड स्थित बालाजी सरकार मंदिर की गूंज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दी बधाई

संयोजक रुद्रप्रकाश राठौर के प्रयासों को सराहते हुए समिति को दी बधाई

सीहोर। जिला मुख्यालय के न्यू बस स्टैंड स्थित श्री बालाजी सरकार मंदिर में आयोजित हो रहे भव्य धार्मिक अनुष्ठान की गूंज देश की राजधानी दिल्ली के सत्ता गलियारों तक जा पहुंची है। मंदिर परिसर में आयोजित 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव और श्रीराम कथा की भव्यता को देखते हुए भारत सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विशेष रूप से पत्र भेजकर आयोजन की सराहना की है। उन्होंने समिति के संयोजक रुद्रप्रकाश राठौर के प्रयासों को सराहते हुए पूरे आयोजन को समाज के लिए कल्याणकारी बताया है।

बतादें गृह मंत्री अमित शाह ने श्री हनुमान मंदिर समिति के संयोजक रुद्रप्रकाश राठौर को संबोधित पत्र में लिखा कि उन्हें यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज के आशीर्वाद से सीहोर में इतना पावन अनुष्ठान संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि यज्ञ के पावन धुएं से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। शाह ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रभु श्रीराम की कथा जन मानस में मर्यादा, सेवा और लोक-कल्याण के उन शाश्वत आदर्शों को जीवित करती है, जिनकी आज समाज को महती आवश्यकता है।

आस्था के साथ विकास का मंत्र

अपने संदेश में गृह मंत्री शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ा। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश की धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत को नई गरिमा मिल रही है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर उज्जैन के महाकाल लोक और अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण इसी कड़ी का हिस्सा है। उन्होंने सीहोर के इस आयोजन को भी उसी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा को सुदृढ़ करने वाला कदम बताया, जिससे समाज में आस्था, सद्भाव और एकता की भावना प्रबल होगी।

सीहोर की आस्था को दिल्ली का साधुवाद

गृह मंत्री ने अपनी व्यस्तताओं के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हो पाने पर खेद भी व्यक्त किया, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी भावनात्मक सहभागिता इस आयोजन के साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों, प्रबुद्धजनों और श्रद्धालुओं को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए उनके सुखशांति की कामना की है।

श्रद्धालुओं में उत्साह, राठौर ने माना आभार

देश के गृह मंत्री से प्राप्त इस शुभकामना संदेश के बाद मंदिर समिति और श्रद्धालुओं में उत्साह है। समिति संयोजक रुद्रप्रकाश राठौर ने कहा कि दिल्ली से मिला यह संदेश हमारे लिए गौरव की बात है। गृह मंत्रीजी का स्नेह और सराहना हमारे संकल्प को और अधिक ऊर्जा प्रदान करती है।

30 अप्रैल को होगा भंडारे का आयोजन, पंच कुण्डात्मक लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में उमड़ा आस्था का सैलाब

सीहोर। शहर के प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर कोलीपुरा में पांच दिवसीय भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। देर रात्रि को यहां पर भजन संध्या का आयोजन किया गया, वहीं महायज्ञ के अंतर्गत नित्य पूजन, अभिषेक एवं अर्चन किया गया। श्री-श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास महाराज के मार्गदर्शन में संत माधव दास महाराज के सानिध्य में पांच दिवसीय महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर भव्य पंडाल लगाया गया है। इसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में धार्मिक वक्ताओं के द्वारा श्रद्धालुओं को यज्ञ की महिमा के बारे में बताया जा रहा है। सोमवार को मोहिनी एकादशी के पावन अवसर पर फलहारी प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय, यात्रा प्रभारी सन्नी सरदार, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास, सह प्रभारी रजत मुंदडा आदि ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं का प्रसादी का वितरण किया।

गो हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने की मांग, सकल हिंदू समाज का प्रदर्शन

गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत रैली निकालकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भैरूंदा। गो माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा देने और देशभर में गो हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को भैरूंदा में सकल हिंदू समाज के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया गया। "गो सम्मान आह्वान अभियान" के तहत नगर में विशाल रैली निकालकर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजजन और गो भक्त शामिल हुए, जिन्होंने एकजुट होकर गो संरक्षण के पक्ष में आवाज बुलंद की।

अभियान के तहत नगर के संगोष्ठी भवन से रैली की शुरुआत हुई, जहां पहले श्रद्धालु एकत्रित हुए। इसके बाद गो माता को आगे रखकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रैली में भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप रथ पर सवार होकर गो माता की बछियासाथ में आकर्षण का केंद्र बना रहा, जिसे श्रद्धालुओं ने आस्था और सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची, जहां नारेबाजी के बीच माहौल पूरी तरह गो संरक्षण के समर्थन में गूंजता रहा।

रैली के दौरान "गो हत्या बंद करो" और "गो माता को राष्ट्रीय दर्जा दो" जैसे नारों से शहर का वातावरण गूंज उठा। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने गो संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए सरकार से कठोर और प्रभावी कदम उठाने की मांग की। तहसील कार्यालय पहुंचकर गो सेवकों ने तहसीलदार सौरभ शर्मा को ज्ञापन सौंपा, जिसमें प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम प्रमुख मांगें रखी गईं। ज्ञापन में कहा गया कि गो माता को राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिया जाए और गो हत्या पर सख्त कानून बनाकर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। साथ ही सड़कों पर लावारिस घूम रही गायों के लिए स्थायी आश्रय, चारे-पानी की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। गो तस्करी पर कड़ी कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ सख्त दंड का प्रावधान करने पर भी जोर दिया गया। सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यह अभियान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने सरकार से शीघ्र ठोस निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि गो संरक्षण के लिए जनभागीदारी के साथ प्रभावी नीति बनाना समय की मांग है।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रीसिटिंग बैठक आयोजित

सीहोर। प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा के लिए बीमा कंपनी एवं आवेदक अधिवक्तागण की प्रीसिटिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में 20 से अधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणो पर चर्चा की गई एवं कई प्रकरणो में आगामी नेशनल लोक अदालत हेतु सहमति भी बनी। बैठक में विशेष न्यायाधीश हेमंत जोशी, जिला न्यायाधीश एमके वर्मा, जिला न्यायाधीश प्रशांत कुमार, जिला न्यायाधीश महेश कुमार चौहान, जिला न्यायाधीश उषा तिवारी एवं आसिफ अहमद अब्बासी, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, बीमा कंपनी एवं क्लेम आवेदक अधिवक्तागण ऑनलाईन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहें।

अधिकारों की लड़ाई को लेकर आज सड़कों पर उतरेगा अन्नदाता

भैरूंदा। किसानों की बढ़ती समस्याओं और लंबे समय से समाधान न मिलने के विरोध में आज भैरूंदा में किसान एकजुट होकर बड़ा आंदोलन करने जा रहे हैं। स्वराज संगठन के नेतृत्व में हजारों किसान अपने वाहनों के साथ सड़कों पर उतरेंगे और अधिकारों की लड़ाई के लिए हुंकार भरेंगे। दोपहर 12 बजे कृषि उपज मंडी से शुरू होने वाली यह विशाल वाहन रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए दुर्गा मंदिर चौराहा पहुंचेगी और अंत में तहसील कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन में बदल जाएगी। संगठन ने साफ कर दिया है कि यह धरना अनिश्चितकालीन होगा और जब तक प्रशासन लिखित आश्वासन के साथ समस्याओं के समाधान की समयसीमा तय नहीं करता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों की सबसे बड़ी समस्या गेहूं उपार्जन को लेकर सामने आ रही है। पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग की जटिल प्रक्रिया और भुगतान में हो रही देरी ने किसानों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। उपज की तुलाई में पारदर्शिता की कमी और समय पर भुगतान न होने से किसानों की आर्थिक स्थिति पर असर पड़ रहा है। वहीं खरीदी केंद्रों की संख्या उत्पादन के अनुपात में कम होने के कारण दूरदराज के किसानों को कई दिनों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत और मेहनत दोनों बढ़ रही है। इसके अलावा मूंग फसल की खरीदी को लेकर स्पष्ट नीति और पंजीयन प्रक्रिया का अभाव भी किसानों की चिंता का कारण बना हुआ है। गिरदावरी में हो रही विसंगतियों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है।

गोपालपुर क्षेत्र के किसान नर्मदा उद्वहन परियोजना के धीमे कार्य से भी नाराज हैं, जो समय पर पूरी होने पर हजारों एकड़ भूमि को सिंचित कर सकती है और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती है। स्वराज संगठन ने इस आंदोलन को पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताते हुए सभी किसानों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। "जय जवान, जय किसान" के नारे के साथ यह आंदोलन किसानों की एकता और संकल्प का प्रतीक बनेगा। भैरूंदा तहसील कार्यालय आज किसानों के इसी संघर्ष और अधिकारों की आवाज का केंद्र बनेगा।

बालिकाओं ने दी मृतक निशा विश्वकर्मा को श्रद्धांजलि

कलेक्ट्रेट में निशा को न्याय दिलाने सर्व विश्वकर्मा समाज ने राष्ट्रपति के नाम दिया कलेक्टर को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सामुहिक दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई निशा विश्वकर्मा को बेटियों ने श्रद्धांजलि दी और हाथों में फोटो रखकर दरिंदे आरोपियों को तत्काल फांसी देने एवं पीडित परिवार को सुरक्षा, सहायता प्रदान किए जाने की मांग की। राष्ट्रपति के नाम डिप्टी कलेक्टर रविंद्र परमार को दिए ज्ञापन का वाचन छात्रा मीनाक्षी विश्वकर्मा ने किया। आरोपियों को दंड नहीं देने पर संपूर्ण देश में धरना प्रदर्शन आंदोलन करने की चेतावनी सर्व विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों के द्वारा उत्तर प्रदेश शासन प्रशासन को दी गई।

उत्तर प्रदेश के ग्राम कटरिया, थाना करण्डा, जनपद गाजीपुर निवासी सियाराम विश्वकर्मा की 16 वर्षीय पुत्री स्वर्गीय निशा विश्वकर्मा के साथ क्षेत्र के गुंडे आसू सिंह और उस के साथियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया और गलाकाट कर हत्या कर दी। दुःखद एवं हृदयविदारक घटना से देश के समस्त सर्व विश्वकर्मा समाज में गहरे शोक एवं आक्रोश व्यक्त है। घटना को लेकर रामगोपाल गड़ोदिया ने कहा कि पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों एवं उपलब्ध तथ्यों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्वरित जांच कराया जाना अत्यंत आवश्यक है. ताकि सत्य सामने आ सके और दोषियों को विधि अनुसार कठोर दंड मिल सके। पीड़ित परिवार मानसिक पीड़ा, सामाजिक दबाव एवं आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक संरक्षण, सुरक्षा एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। समाजध्यक्ष कमल किशौर विश्वकर्मा ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा प्रत्येक सभ्य समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं पर संवेदनशीलता, तत्परता एवं सख्त कारज़्वाई से ही समाज में विश्वास को मजबूत करती है, और भविष्य में अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायक होती है। इस घटना को लेकर गाज़ीपुर उत्तर प्रदेश सहित समस्त देश में सर्व विश्वकर्मा समाज के द्वारा धरना प्रदर्शन आंदोलन किए जा रहे हैं। प्रर्दशन में मुख्य रूप से जानवी, जीविका विश्वकर्मा,अविका विश्वकर्मा, रितिका विश्वकर्मा, जागृति विश्वकर्मा, विधि विश्वकर्मा, जितेंद्र नारोलिया, हेमंत विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा,ताराचंद विश्वकर्मा,नंदराम विश्वकर्मा,आशीष कुशवाहा, राजेश मेवाड़ा, पवन विश्वकर्मा,विजेंद्र जायसवाल,अशोक राठौर नरेंद्र विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

1363 युवाओं ने दी एमपीपीएससी की परीक्षा मेटल डिटेक्टर से हुई अभ्यर्थियों की चेकिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

अधिकारी बनने की चाहत में अर्से से मेहनत कर रहे जिले के अभ्यर्थियों ने रविवार को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित प्री-लिम्स परीक्षा में भाग्य आजमाया। इस परीक्षा के लिए मुख्यालय एवं ब्यावरा सहित पांच केंद्र बनाए गए थे। दो पालियों में संपन्न हुई परीक्षा के लिए कुल 1734 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिनमें से पहली पाली में 361 एवं दूसरी पाली में 371 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल 1363 अभ्यर्थियों ने यह परीक्षा दी। परीक्षा की नोडल डिप्टी कलेक्टर ज्योति राजौरे ने बताया कि परीक्षा के लिए राजगढ़ में कन्या शाला, उत्कृष्ट विद्यालय, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय व ब्यावरा में कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल इस तरह पांच केंद्र बनाए गए थे। आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तमाम सुरक्षा इंतजामों के बीच सुबह 10 बजे से 12 बजे एवं दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई।

कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्र में दिया गया प्रवेश

सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक स्तर पर सुरक्षा के इंतजामात किए गए थे। केंद्र के अंदर किसी भी तरह का डिजिटल उपकरण, जूते-मोजे, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर, हेडफोन ले जाना प्रतिबंधित था। इसके साथ ही पर्स, बेल्ट, धूप का चश्मा भी केंद्र के अंदर नहीं ले जाने दिया गया। कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा एवं एसडीएम निधि भारद्वाज ने भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जांच के लिए आधा दर्जन दुकानों से सैंपल लेकर लेब भेजे गए

दूध डेयरियों और बर्फ फैक्ट्रियों पर दबिश, लिए पदार्थों के सैंपल

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

मिलावट पर नकल कसने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में दूध और दूध से निर्मित पदार्थो सहित बर्फ की फैक्ट्री दुकानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कुड़ी में कल रविवार को कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, बर्फ की जांच की ग्की। जांच के दौरान नरसिंहगढ़ स्थित अग्रवाल स्वीट्स सुभाष चौक नरसिंहगढ़, मन्नू एवर फ्रेश छारबाग नरसिंहगढ, पूनम कोल्ड ड्रिंक नरसिंहगढ़, सोनी सोनी एवर फ्रेश सुभाष चौक नरसिंहगढ़, माहेश्वरी दूध डेयरी नरसिंहगढ़ एवं ताई फैक्ट्री में टीम जांच के लिए पहुंची।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन अधिकारी शिवराज पावक ने बताया की जांच के दौरान पूनम कोल्ड ड्रिंक से आइसक्रीम और लस्सी के नमूने जांच हेतु लिए गए एवं इदरिश की बर्फ फैक्ट्री से बर्फ का नमूना जांच हेतु लिया गया। जांच के दौरान पर फैक्ट्री पर खाद्य पदार्थ बर्फ विक्रय, भंडारण का खाद लाइसेंस नहीं पाया गया ऐसे में फैक्ट्री को आगामी आदेश तक बर्फ का निर्माण हेतु बंद कर दिया गया।

लाइसेंस प्राप्त उपरांत ही बर्फ का निर्माण एवं विक्रय कार्य किया जाएगा। लिए गए सभी नमूने फूड लैबोरेट्री भोपाल भेजे जाएंगे एवं रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। उक्त बर्फ फैक्ट्री में इस तथ्य का भी प्रमाण नहीं था कि जिस पानी से बर्फ बनाई जा रही थी वह पीने योग्य था या नहीं। कोई जांच रिपोर्ट मौके पर नहीं पाई गई। इस कारण लोकहित में इदरीश बर्फ फैक्ट्री से बर्फ का निर्माण करना बंद कराया गया है।

तेज हवा के साथ बारिश, गर्मी से मिली राहत

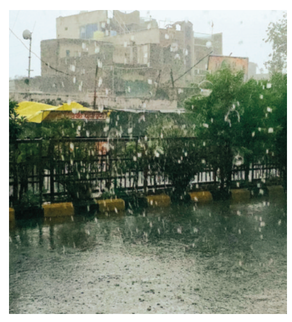

कुरावर। भीषण गर्मी से जूझ रहे शहरवासियों को सोमवार शाम अचानक आई तेज हवाओं और बारिश ने बड़ी राहत दी। दिनभर तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद शाम करीब 6:15 बजे मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश शुरू होते ही वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों ने राहत की सांस ली। तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटने और हल्की अव्यवस्था की भी खबरें सामने आई हैं। हालांकि, बारिश से गर्मी का असर काफी हद तक कम हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से राहत मिलने का यह पहला मौका है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी आंशिक बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

ताला तोड़कर दिया वारदात को अंजाम, अज्ञात पर केस दर्ज

नेवज मुक्तिधाम पर चोरों का धावा मोटर पंप सहित अन्य सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

मुख्यालय पर कुछ दिनों तक थमी चोरी की घटनाओं के बाद चोरों ने एक बार फिर से वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। इस बार अज्ञात चोर ने पुरा क्षेत्र स्थित नेवज मुक्तिधाम को अपना निशाना बनाया और वहां के स्टॉक कक्ष से पानी का मोटर पंप, पाइप सहित अन्य सामान चुरा ले गए।

जानकारी के अनुसार पुरा क्षेत्र में सर्किट हाउस के नजदीक स्थित नेवज मुक्तिधाम में लकड़ी, कंडे व अन्य सामान रखने के लिए कमरा बना हुआ है। शनिवार-रविवार की रात्रि चोर ने इस कक्ष का ताला तोड़ा और अंदर रखा एक एचपी का मोटर पंप, लोहे के एंगल के टुकड़े, केबल आदि चुरा ली। रविवार सुबह जब स्थानीय व्यक्ति मुक्तिधाम परिसर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा देख समिति पदाधिकारियों को सूचना दी गई। समिति संरक्षक केसी केसरवाल, अध्यक्ष महेश पुष्पद सहित अन्य पदाधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को इत्तला दी। बाद में फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी घटनास्थल पहुंचे और आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस के अनुसार जल्द चोर का पता लगा लिया जाएगा।

परिसर के समीप ही पड़ा मिला ताला

चोरी की इस घटना को स्टॉक रूम का ताला तोड़कर अंजाम दिया गया था। चोर ने ताला तोड़कर उसे समीप ही फेंक दिया। बाद में यह ताला पुलिस को मिला जिसके फिंगर प्रिंट लिए गए हैं।

मांगलिक भवन की दीवार गिरने से मजदूर और राहगीर घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

वार्ड क्रमांक 10 स्थित भूरी के मैदान में मनकामनेश्वर महादेव मंदिर परिसर में निर्माणाधीन मांगलिक भवन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह भवन क्षेत्रीय विधायक निधि से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रवासियों को सामाजिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों के लिए सुविधा उपलब्ध कराना है।

रविवार को अचानक भवन की एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना के समय वहां अधिक भीड़ मौजूद नहीं थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। दीवार गिरने से पास में कार्य कर रहे एक मजदूर को हल्की चोट आई, जिसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना का दूसरा पहलू और भी चिंताजनक रहा, जब दोपहर के समय एक बाइक सवार दंपति वहां से गुजर रहा था, तभी दीवार का हिस्सा उन पर आ गिरा। हादसे में दोनों को अंदरूनी चोटें आईं, जबकि उनकी बाइक का आगे का हिस्सा (मास्क) भी क्षतिग्रस्त हो गया। इस संबंध में पीड़ितों द्वारा संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी गई है।

स्थानीय रहवासियों ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में घटिया एवं गुणवत्ताविहीन सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि निर्माण मानकों का पालन किया जाता, तो इस तरह दीवार का गिरना संभव नहीं था। लोगों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते जांच नहीं कराई गई, तो पूरा भवन भविष्य में खतरनाक साबित हो सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर विशेष शिविरों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा सारंगपुर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर विशेष पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम ह्नपशु चिकित्सकः भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षकह्व थीम पर आधारित रहा, जिसका उद्देश्य पशु स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम प्रमुख सचिव पशुपालन विभाग के निर्देश एवं जिला कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला राजगढ़ के निर्देशन में विकासखंड सारंगपुर के चयनित क्षीर धारा एवं वृंदावन ग्रामों में शिविर लगाए गए। शिविरों में बांझपन निवारण, उपचार, औषधि वितरण, टीकाकरण, बधियाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं गर्भ परीक्षण जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही पशुपालकों को संतुलित आहार, रोग नियंत्रण, डेयरी प्रबंधन एवं आधुनिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विभागीय योजनाओं जैसे पशु बीमा, अनुदान, दुग्ध उत्पादन वृद्धि एवं टीकाकरण कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, उन्नत नस्ल संवर्धन और ग्रामीणों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित शाक्या ने बताया कि पशु स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा आपस में जुड़े हैं।

ताज़ियत मजलिस का आयोजन, एकता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

रविवार को इमामबाड़ा, सैयद वाड़ी में सुबह 10 बजे से 11 बजे तक ताज़ियत मजलिस का आयोजन किया गया। यह मजलिस ईरान के सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई की शहादत की याद में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आयतुल्लाह डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही साहब (ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि) शिरकत करने पहुंचे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदुस्तान में महात्मा गांधी जैसी महान शख्सियत हुई, जिन्हें दुनिया आज भी याद करती है क्योंकि वे सत्य और न्याय के मार्ग पर चलकर देश की आजादी के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने बताया कि ईरान में आज भी कई सड़कें और अस्पताल महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर हैं, जो भारत-ईरान के मजबूत रिश्तों का प्रतीक हैं।उन्होंने यह भी कहा कि शहीद खामेनेई साहब का भारत के प्रति विशेष लगाव था और वे हिंदुस्तान से गहरा प्रेम करते थे।

कुरावर में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान तेज वार्डवार जिम्मेदारी तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद कुरावर ने शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अभियान तेज कर दिया है। परिषद द्वारा 24 अप्रैल 2026 को आदेश जारी कर वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक वार्ड में सफाई कार्य की निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से अपने-अपने वार्डों का निरीक्षण करें, साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

नगर परिषद ने सभी कर्मचारियों को सुबह 6 बजे से वार्डों में उपस्थित होकर सफाई कार्य का जायजा लेने और आवश्यक सुधार तत्काल कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सफाई दरोगा एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल सफाई ही नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना भी प्राथमिकता में शामिल है, ताकि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सके।

आमजन ने 'मन की बात' श्रवण कर मंडल अध्यक्ष का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 113वें एपिसोड का रविवार को प्रसारण हुआ। भाजपाइयों सहित प्रधानमंत्री के समर्थकों द्वारा कहीं सामूहिक तो घरों में बैठकर इस एपिसोड का श्रवण किया गया। जिले के विभिन्न बूथों पर भी इस एपिसोड का प्रसारण आमजनों को श्रवण करवाया गया।

इसी कड़ी में नगर के वार्ड-8 किशनगढ़ में पुष्पद समाज अध्यक्ष महेश पुष्पद के निवास पर भाजपाइयों ने सामूहिक रूप से ध्यानपूर्वक पीएम के मन की बात सुनी। एपिसोड प्रसारण उपरांत भाजपा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सचिन मौर्य एवं नपाध्यक्ष विनोद साहू का हार-मालाओं से साफा, श्रीफल से स्वागत, अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष महेश प्रजापति, बूथ प्रभारी मोहम्मद शफीक खान, पूर्व पार्षद ओम प्रकाश शर्मा, इरफान मेवाती सहित अन्य उपस्थित रहे। इस दौरान बूथ प्रभारी शफीक खान ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से विधेयक प्रस्तुत किया गया था लेकिन विपक्षियों ने इसे पारित नहीं होने दिया। पूरा विपक्ष महिला विरोधी है लेकिन आने वाले दिनों में मातृ-शक्तियां विपक्ष को करारा जवाब जरूर देंगी।

सिलेंडर में गैस की जगह निकला पानी, गैस सप्लाई पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हैदरगढ़

रसोई गैस उपभोक्ताओं को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम निवासी विनीता बाई कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 13 अप्रैल को 930 रुपए में सिलेंडर भरवाया था, लेकिन करीब 12 दिन बाद ही गैस खत्म हो गई। जांच करने पर सिलेंडर से पानी जैसी आवाज आई और दबाने पर पानी निकलने लगा। परिवार का आरोप है कि करीब 4 किलो गैस उपयोग के बाद शेष सिलेंडर में पानी भरा मिला।

शिकायत लेकर एजेंसी पहुंचने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आर्थिक स्थिति कमजोर होने से परिवार नया सिलेंडर भरवाने में असमर्थ है। एजेंसी संचालक अभिषेक सुगंधि ने कहा कि उपभोक्ता दोबारा बुकिंग कराएं, 4 किलो गैस की राशि समायोजित कर नया सिलेंडर दिया जाएगा। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रात में भी चली लू की लपटें, छुट्टी का इंतजार अभिभावकों ने कलेक्टर से रखी अपनी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

क्षेत्र में गर्मी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। आलम यह है कि दिन के साथ-साथ रात में भी लू की लपटें चल रही हैं। भीषण गर्मी के चलते सुबह 11 बजे से ही बाजारों में सन्नाटा पसरा देखा जा रहा है और लोग आवश्यक कार्यों से ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत जिला शिक्षा विभाग ने कुछ दिनों पूर्व स्कूलों का समय भले ही बदल दिया है लेकिन अभिभावकों द्वारा पूर्णतः अवकाश की मांग की जा रही है। प्रदेश के कुछ जिलों में अवकाश का आदेश भी जारी हो चुका है लेकिन राजगढ़ जिले में अभी भी आदेश का इंतजार है। आपको बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा गत दिवस आदेश जारी करते हुए शासकीय सहित निजी स्कूलों के संचालन का समय प्रातः 7 बजे से 12 बजे तक तय किया गया था। लगातार बढ़ रहे तापमान के दृष्टिगत अभिभावकों ने प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों से मांग की है कि पूरी तरह अवकाश घोषित कर दिया जाना चाहिए।

1 मई से प्रारंभ होंगे ग्रीष्मावकाश

ग्रीष्मावकाश आरंभ होने में आज से पांच दिन का समय शेष बचा है परंतु नन्हे बच्चों पर भीषण गर्मी और लू का दुष्प्रभाव न हो इसके लिए स्कूलों खासकर प्राथमिक विद्यालयों में पूरी तरह अवकाश की मांग तेज हो चली है।

खबर संक्षेप

पोर्टल पर पांडुलिपियों के अपलोड के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश

सीहोर। कलेक्टर ने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे ज्ञान भारतम पोर्टल पर पुरानी पांडुलिपियों के अपलोड के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक महत्व की पांडुलिपियों को इस पोर्टल पर अपलोड कराया जाए, ताकि उनका संरक्षण और डिजिटलीकरण किया जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि इस कार्य में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाए और पुस्तकालयों, शैक्षणिक संस्थानों तथा निजी संग्रहकर्ताओं से समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह पहल जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने स्तर पर अभियान चलाकर अधिक से अधिक पांडुलिपियों का संकलन और अपलोड सुनिश्चित करें, ताकि इस दिशा में जिले की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने जिले के सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभागों को दिए गए वार्षिक लक्ष्यों को मासिक आधार पर विभाजित करें और उसी के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाकर ही बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक माह की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और तय लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएं। कार्यों में गति और गुणवत्ता दोनों बनाए रखें।

नगर में 11 लाख रुद्राक्ष महोत्सव का आगाज, भूमिपूजन संपन्न

स्वामी सत्य शेल महाराज बोले, धर्म सेवा और संस्कार ही सच्ची साधना

मुकाती की बावड़ी परिसर में कार्यक्रम को लेकर हुआ भूमिपूजन का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर में आयोजित होने जा रहे ऐतिहासिक 11 लाख रुद्राक्ष महोत्सव, राम कथा एवं 51 कन्याओं के सामूहिक विवाह सम्मेलन के अंतर्गत सोमवार को मुकाती जी की बावड़ी परिसर में भूमिपूजन कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु, संत-समाज, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ मुख्य अतिथि स्वामी सत्य शेल महाराज ने विधिवत भूमि पूजन कर महोत्सव का शुभारंभ किया। धार्मिक अनुष्ठान पंडित गजेंद्र शास्त्री द्वारा सम्पन्न कराए गए। इस दौरान पूरा परिसर हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

स्वामी सत्य शेल महाराज का संदेश

अपने उद्बोधन में स्वामी जी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और संस्कारों का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष महोत्सव, राम कथा और सामूहिक विवाह जैसे आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। सेवा, समर्पण और संयम के बिना धर्म का मार्ग अधूरा है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

आयोजन की झलक

कार्यक्रम की शुरुआत में सत्यजा सेवा समिति के प्रमुख एवं महोत्सव के सूत्रधार संजीव सोनी 'पांचम' ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन द्वारका सोनी 'राजहंस' द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक विधियां सम्पन्न हुईं, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं भी की गई थीं। आगामी 2 जून से 8 जून 2026 तक भव्य राम कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन और मर्यादा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

महोत्सव की प्रमुख विशेषताएं

11 लाख रुद्राक्ष का निःशुल्क वितरण, 51 कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्मेलन, संतों के प्रवचन एवं आशीर्वचन इस दौरान पूज्य साध्वी ऋतुंभरा देवी एवं पंडित धीरेंद्र शास्त्री सहित अनेक संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त होगा।

सर्वसमाज का सहयोग

इस आयोजन में सत्यजा सेवा संस्था, सकल हिन्दू समाज, हिन्दू उत्सव समिति, शीतला माता मंदिर समिति, मानस भवन समिति, राम मंदिर बुधवारा समिति, महिला मंडल सहित नगर के विभिन्न संगठनों का सहयोग मिल रहा है। नगर के समाजसेवी शेषनारायण मुकाती एवं मुस्लिम समाज के सईद भाई द्वारा भी अपनी जगह भी समारोह के लिए उपलब्ध कराकर आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया।

दानदाताओं में उत्साह

महोत्सव को लेकर नगर में उत्साह चरम पर है। स्व. मांगीलाल साहू के सुपुत्र राजकुमार साहू एवं जितेंद्र साहू द्वारा दानराशि की घोषणा की गई। अन्य दानदाता भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर राय सिंह मेवाड़ा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय, सकल समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा, हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष भूरू मुकाती सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महामंत्री पंकज यादव, जगदीश चौहान, रूपेश राठौर, विजयलक्ष्मी उपाध्याय, संध्या बजाज, सविता सोनी, मीना सिंगी, गुलाब बाई ठाकुर सहित कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन समिति ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस पावन आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लें।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बनी नगरपालिका

प्रमुख चौराहों पर रखवाई पानी की ठेलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

प्रदेश भर में सूर्यदेव के तीखे तेवरों ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के प्रकोप के बीच जहां इंसान अपने बचाव के पुख्ता इंतजाम कर रहे हैं, वहीं मूक पशु-पक्षियों के लिए पानी का संकट खड़ा हो गया है। इसी मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने एक सराहनीय पहल की है। ज्ञात रहे कि नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा के निर्देश पर नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख चौक-चौराहों पर मूक पशुओं और पशु-पक्षियों के लिए पानी की ठेले रखवाई गई हैं, ताकि तपती गर्मी में कोई भी बेजुबान प्यासा न रहे। इसी तारतम्य में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा की महति उपस्थिति में कॉलोनी चौराहा, बसस्टैंड, भोपाल नाका यात्री प्रतिक्षालय, भीमपुरा रोड़ स्थित यात्री प्रतिक्षालय पर जल मंदिर की स्थापना की गई।

वहीं एक दर्जन सार्वजनिक स्थानों पर गौवंश के लिए पानी की ठेले भी रखवाई। इसके साथ ही पक्षियों के लिए पेड़ों पर सकोरे बांधने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने अधीनस्थ अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि नगर के उन क्षेत्रों को चिन्हित करें जहां पशुओं का जमावड़ा अधिक रहता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि केवल पानी की ठेले रखवाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इनमें नियमित रूप से स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना नपा की प्राथमिकता होनी चाहिए।नागरिकों से की अपील, सेवा भाव से आगे आएं नागरिक - नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नगरवासियों से भी भावुक अपील करते हुए कहा इस भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षी पानी की तलाश में भटकते रहते हैं। यह हमारा मानवीय कर्तव्य है कि हम उनके प्रति संवेदना रखें। नगरपालिका अपने स्तर पर प्रयास कर रही है, लेकिन यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर की छत या द्वार पर एक पात्र में पानी रखने का संकल्प ले, तो कोई भी जीव प्यासा नहीं मरेगा।नपा कार्यालय में आने वाले लोगों का भी रखा ध्यान - गर्मी के बढ़ते प्रकोप से हर कोई परेशान है, नगरपालिका में अपने छोटे-बड़े कार्यो के लिए कार्यालय में आने वाले नागरिकों को शुद्ध शीतल पेयजल प्राप्त हो सकें, इसके लिए नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा द्वारा वाटर कूलर स्थापित करवाया है।

नपा की इस त्वरित और संवेनशील कार्रवाई की शहरवासियों ने जमकर प्रशंसा की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बढ़ते पारे के कारण जलस्त्रोत सूख रहे हैं, ऐसे में सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था होने से राहगीर नागरिकों के साथ-साथ आवारा पशुओं और गौवंश को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर पार्षद रवि शर्मा, कुशलपाल लाला, जितेन्द्र बुदासा, मनीष सोनी, अरूण श्रीवास्तव, जगदीश वर्मा, संजय शर्मा, हरनाथसिंह मालवीय, अर्जुन घेंघट, बाबूलाल जाटव, सर्वेश भट्नागर, प्रियांक शर्मा, श्रवण मालवीय, जयदीप महेश्वरी, गौतम शर्मा, राकेश बागवान, दीपक मेवाड़ा आदि मौजूद थे।

पुष्प विद्यालय में आयोजित हुआ विदाई समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

स्थानीय पुष्प विद्यालय में तीन शिक्षकों एवं एक कर्मचारी के सेवानिवृत्ति उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को प्रातःकालीन एवं सायंकालीन दो चरणों में संपन्न किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रबंधन एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा की गई। बैंड की मधुर धुनों के साथ सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षक बिंदु सोनी, राकेश बाजपेई, निशा नरवरिया और तेजू बाई का स्वागत किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर चारों ने अपने उद्बोधन में जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिए। राकेश बाजपेई ने अनुशासन के महत्व पर जोर दिया, वहीं निशा नरवरिया ने विद्यार्थियों को सदैव सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। बिंदु सोनी ने अपने मधुर गीत से सभी का मन मोह लिया। तेजू बाई के भावुक शब्दों ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की आंखें नम कर दीं। कार्यक्रम का समापन बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ हुआ।

सेंट थेरेसा डे का आयोजन

सायंकाल "सेंट थेरेसा डे" (फैमिली गैदरिंग डे) के रूप में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके परिवार सहित आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में आर्चबिशप

ए.ए.एस. सेबेस्टियन दुरईराज, फादर फ्रांसिस स्कारिया, अजब सिंह राजपूत, मीना सिंगी, विद्यालय के प्राचार्य फादर मेल्विन सीजे, उप प्राचार्या सिस्टर सुमा, ब्रदर्स एवं सिस्टर्स सहित समस्त स्टाफ एवं परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बैंड के साथ अतिथियों की भव्य एंट्री एवं स्वागत से हुई। विद्यालय के मैनेजर, प्राचार्य एवं उप प्राचार्य ने सभी आगंतुक अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।* तत्पश्चात सभी अतिथियों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों के परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद उन दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनके योगदान से विद्यालय आज इस ऊंचाई तक पहुंचा है। इस अवसर पर भोपाल के पूर्व आर्चबिशप रेव. पास्कल टॉपनो, एस.जे. एवं पुष्प विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. फादर एस. सोलोमन को विशेष रूप से स्मरण किया गया। इसके पश्चात शिक्षकों द्वारा प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया गया तथा दिवंगत आत्माओं, सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं उनके परिवार, विद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ के लिए विशेष प्रार्थना की गई।

केक कटिंग सेरेमनी आयोजित

आर्चबिशप एएएस सेबेस्टियन दुरईराज ने अपने उद्बोधन में शिक्षकों के अमूल्य योगदान की सराहना की। तत्पश्चात सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ केक कटिंग सेरेमनी आयोजित कर उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की गई। विद्यालय प्रबंधन एवं पुष्प विद्यालय स्टाफ द्वारा सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं तेजू बाई को शॉल, प्रतीक चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बिंदु सोनी एवं राकेश बाजपेई ने अपने अनुभव साझा किए। शिक्षकों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुति भी दी गई। अंत में स्टाफ प्रतिनिधि धर्मेंद्र परमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सीहोर। जिले के सभी पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायत सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा बीएमओ को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित कर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य तेज गति से करें। साथ ही अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर योजना से जोड़ने के लिए भी कहा गया।

बैठक में शैक्षणिक स्थिति और प्रगति की हुई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

सोमवार को विकासखंड में ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विकासखंड स्त्रोत समन्वयक अजब सिंह राजपूत द्वारा की गई। बैठक का संचालन सुमन स्वर्णकर (जिला प्रभारी, मिशन अंकुर टीम) द्वारा किया गया। बैठक में आष्टा ब्लॉक के विकास खंड अकादमिक समन्वयक ने अपने-अपने विभागीय घटकों (कॉम्पोनेन्ट) पर विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक के दौरान आष्टा विकासखण्ड की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही आगामी माह के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफ एल एन) को सुदृढ़ करने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई। पहली कक्षा अधिक से अधिक नामांकन किया जाना सुनिश्चित करने के साथ साथ, शाला त्यागी बच्चों का सर्वे कर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जाए। विद्यालय स्तर पर बच्चों के लिए एफ एल एन पुस्तकों का वितरण समस्त प्रवेशित बच्चों को समय सीमा किया जाना सुनिश्चित करे एवं जनशिक्षा केंद्र स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से सामग्री का समायोजन कर कमी-पूर्ति में संतुलन बनाया जाएगा। शिक्षक मार्गदर्शिका एवं वर्कबुक के प्रभावी उपयोग हेतु कम प्रदर्शन वाले एफ एल एन शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। जनशिक्षकों के लिए मेंटरिंग प्रोटोकॉल एवं फीडबैक प्रक्रिया पर ब्लॉक स्तर पर क्षमता-वर्धन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। नवीन सत्र में कक्षा 1-2 में विद्यार्थियों के नामांकन में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे तथा अभिभावकों से नियमित संपर्क स्थापित किया जाएगा।ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अभिभावकों से ऑनलाइन संवाद बनाए रखते हुए बच्चों को डिजिटल पठन-लेखन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। शेष बचे बच्चों का आधार कार्ड अपडेशन स्थानीय सेंटर पर जाकर कार्य पूर्ण करवाए। ब्लाक स्तरीय समीक्षा बैठक के उपरांत, जनशिक्षकों द्वारा संकुल स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिसमें विकास खंड अकादमिक समन्वयक मनोहर विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, फूलचंद सांकले, देवजी मेवाड़ा, शालिनी सरासिया सहित जनशिक्षक उपस्थित रहे।

खाद, बीज, कीटनाशक व्यापारियों की समस्याओं का नहीं हो रहा निराकरण

व्यापारियों ने सांकेतिक हड़ताल कर दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सरकार द्वारा खाद, बीज, कीटनाशक व्यापारियों की समस्याओं का लंबे समय से कोई भी निराकरण नहीं किया जा रहा है। कृषि विभाग सहित अन्य विभाग अमानक खाद, बीज, कीटनाशक की शिकायत आने पर निर्माता कंपनी को छोड़कर विक्रेता पर केस बनाते हैं। जबकी विक्रेताओं की कोई गलती नहीं होती है फिर भी लायसेंस निरस्त कर दिए जाते हैं। इन्ही अनेक परेशानियों के निराकरण को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर सोमवार को कृषि व्यापारी संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद मोदी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह जी चौहान के नाम का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर जमील खान को दिया है। कृषि व्यापारी संघ के सूरेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि सोमवार 27 अप्रैल को पूरे देश के कृषि आदान व्यापारी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर रहे। पिछले 10 सालों से लगातार हमें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के सम्बंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए है लेकिन समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया।

व्यापारियों की मांग है कि उर्वरक निर्माता कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाले खाद के साथ

अनुपयोगी उत्पादों की जबरन लिंकिंग को अपराध घोषित किया जाए और उत्तर प्रदेश सरकार के निर्णय की तर्ज पर पूरे देश में अनुदानित उर्वरक के साथ गैर-अनुदानित उत्पाद बेचने की बाध्यता पर रोक लगाई जाए। खाद की डिलीवरी डीलर के विक्री केंद्र तक कंपनियों द्वारा सुनिश्चित कराई जाए। यूरिया जैसे खाद की डिलीवरी टेल-हेड पर दी जा रही है, डीलरों को प्रति बैग 40 से 50 रुपये का अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ रहा है इस रोक लगाई जाए। बढ़ती लागत और महंगाई को देखते हुए उर्वरकों पर डीलर मार्जिन को बढ़ाकर कम से कम 8 प्रतिशत किया जाए। ग्रामीण खुदरा विक्रेताओं के लिए इस पोर्टल को वैकल्पिक बनाया जाए और इसकी अनिवार्यता केवल निर्माताओं एवं थोक विक्रेताओं तक सीमित रखी जाए।अवैध बीजों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगे या अधिकृत डीलरों को विनियमित बिक्री की अनुमति दी जाए। खाद, बीज व कीटनाशक के सीलबंद पैकिंग में नमूना फेल होने पर विक्रेता को अपराधी नहीं, बल्कि केवल गवाह माना जाए।

चूंकि विक्रेता जिला कृषि अधिकारी से प्राप्त लाइसेंस के आधार पर केवल सीलबंद माल बेचता है गुणवत्ता की पूर्ण जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए। कंपनियों के लिए पुराने यम एक्सपायर्ड स्टॉक को वापस लेना कानूनी रूप से अनिवार्य किया जाए, नए बीज अधिनियम और कीटनाशक विधेयक 2025 में रिटेल डीलर को प्रथम पक्ष बनाने के कठोर प्रावधान को शिथिल किया जाए। जांच कमेटी बनाई जावे किसानों द्वारा झूठी शिकायतें करते हुए व्यापारियों को ब्लैकमेल किया जाता है। ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई करने के पहले जिला स्तर पर एक कमेटी बनाई जावे उसके अनुशंसा के बाद ही कार्रवाई की जाए। छोटी-मोटी बातों पर उप संचालक कृषि द्वारा लाइसेंस निलंबित किए जाने पर 21 दिन में स्वतः बहाली का प्रावधान किया जाए। हर साल क्कष्ट जोडऩे की अनिवार्यता समाप्त हो खाद एवं बीज के लाइसेंस की अवधि 5 वर्ष एवं कीटनाशक के लाइसेंस आजीवन है ऐसी स्थिति में हर साल कीटनाशक कंपनी के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट जोडऩे की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए और दोहरी लायसेंस प्रथा बन्द हो कई राज्यों में अनाज और उद्यानिकी के बीजों के लिए अलग-अलग लाइसेंस की प्रक्रिया है जबकि बीज अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है इस प्रथा को समाप्त किया जाए सहित अनेक मांगे की गई है। समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर कृषि आदान व्यापारियों को मजबूरी में अनिश्चितकालीन करनी होगी।

निर्देशः गेहूं उपार्जन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कोई भी किसान न छूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी राजस्व एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों के स्लॉट बुकिंग के अनुसार समय पर और सुचारू रूप से खरीदी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में कोई किसान उपार्जन से वंचित न रहे। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। प्रतिकूल मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश की स्थिति में गेहूं के सुरक्षित भंडारण के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए. ताकि उपज को किसी प्रकार का नुकसान न हो। इसके साथ ही कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर केवल पंजीकृत किसानों का ही गेहूं खरीदा जाए और इस बात की सतत निगरानी रखी जाए कि व्यापारियों का गेहूं किसी भी स्थिति में केन्द्रों तक न पहुंचे।

उन्होंने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करते हुए उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन से जुड़े कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इसके लिए विभागीय समन्वय और सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण, तालाबों के गहरीकरण, साफ-सफाई, वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण तथा जनजागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अभियान को प्रभावी बनाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि जल संरक्षण एक जन आंदोलन का रूप ले सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर प्रगति की समीक्षा करने और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, रविंद्र परमार, जमील खान, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।